

## हरियाणा की अंजू दहिया राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार के लिये चयनति

### चर्चा में क्यों?

25 अगस्त, 2022 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार 2022 के लिये चयनति देश के वभिन्न राज्यों के 46 शक्तिषकों के नाम की अंतमि सूची जारी की। इसमें हरियाणा की प्राध्यापिका अंजू दहिया का नाम भी शामिल है।

### प्रमुख बदि

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमु चयनति शक्तिषक-शक्तिषिकाओं को नई दलिली के वजिज्ञान भवन में 5 सतिंबर, 2022 को शक्तिषक दविस के अवसर पर वर्ष 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेंगी। पुरस्कार के तौर पर शक्तिषक-शक्तिषिकाओं को 50 हजार रुपए की राशि और सलिवर मेडल दिया जाएगा।
- अंजू दहिया राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार के लिये चयनति होने वाली प्रदेश से एकमात्र प्राध्यापिका हैं। सोनीपत ज़िले के राजकीय वरषिठ माध्यमकि वदियालय, बड़वासनी में रसायन शास्त्र वषिय की प्राध्यापिका अंजू दहिया ने वषिय को आसान बनाने की दशा में सराहनीय कार्य किया है।
- उन्होंने रसायन शास्त्र वषिय को खेल व कवति जैसी गतिविधियों से आसान बना दिया है। वदियार्थी गतिविधियों से वषिय को समझकर लंबे समय तक याद रख पाते हैं। उन्होंने रसायन शास्त्र वषिय को कवति व खेल गतिविधियों में बाँटा। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाकर बच्चों को भाग लेने के लिये प्रेरति किया। वदियार्थियों ने खेल गतिविधियों से सीखा, जो उन्हें याद रहता था। इससे उन्हें वषिय आसान लगने लगा।
- प्राध्यापिका अंजू दहिया ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था का वदिश में भी प्रचार-प्रसार किया है। उन्होंने उज़्बेकस्तान में 15 दिन तक रहकर वहाँ के लोगों को भारतीय शिक्षा व्यवस्था के बारे में प्रेरति किया। शोध-पत्र भी प्रस्तुत किया। वहाँ उन्होंने लोगों को बताया कि बच्चों को खेल-खेल व अन्य गतिविधियों से कैसे पढ़ाया जाए।
- गौरतलब है कि शक्तिषक दविस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय का स्कूली शिक्षा और साकषरता वभिग प्रतविरष 5 सतिंबर को एक राष्ट्रीय समारोह का आयोजन करता है, जसिमें देश के सर्वश्रेष्ठ शक्तिषकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।
- पुरस्कारों के लिये शक्तिषकों का चयन ऑनलाइन तीनस्तरीय चयन प्रक्रिया के ज़रिये पारदर्शी तरीके से किया जाता है।
- शक्तिषकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का उद्देश्य देश के शक्तिषकों के अनूठे योगदान को रेखांकित करना और ऐसे शक्तिषकों का सम्मान करना है, जिन्होंने अपनी प्रतबिद्धता व परशिरम से न सरिफ स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध किया है।